अंबिकापुर शहर में बढ़ेगी पानी की सप्लाई, 6 हजार हेक्टेयर खेत भी होंगे सिंचित

सरगुजा में पहली बार 20 किमी पाइप लाइन से जुड़ेंगे डैम, बांकी को मिलेगा गागर से पानी

लव दुबे | अंबिकापुर

- बलरामपुर जिले के गागर डैम से सरगुजा जिले के बांकी डैम में आएगा पानी
- सवा सौ करोड़ रुपए होंगे खर्च परियोजना पर, बड़ी आबादी को होगा लाभ
- पहली ऐसी योजना, जिसमें दो डैम को जोड़कर जलसंकट किया जाएगा दूर

जल संकट के कारण अपने अस्तित्व के लिए जूझ रहे अंबिकापुर के बांकी डैम को बलरामपुर जिले के गागर बांध से पानी देकर नया जीवन दिया जाएगा। गागर से बांकी तक पानी पहुंचाने के लिए 20 किमी लंबी पाइप बिछाई जाएगी। सरगुजा जिले की यह पहली योजना होगी, जब दो बांध पाइप के जरिए पानी देने जुड़ेंगे। सवा सौ करोड़ रुपए इस पर खर्च होंगे। इससे अंबिकापुर शहर में पानी सप्लाई बढ़ेगी, वहीं इस क्षेत्र में आने वाले बलरामपुर जिले के राजपुर और अंबिकापुर के छह हजार हेक्टेयर खेत सिंचित होंगे। करीब दो हजार किसान को खेती के लिए पानी मिलेगा। सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि इन दो डैम के जुड़ने से बांकी की बंद पड़ी सिंचाई योजना को फिर से नया जीवन मिल जाएगा। इसी बांध से शहर में पानी सप्लाई है। 70 के दशक में यह योजना शुरू हुई थी। शहर में पेयजल का एक तरफ दबाव बढ़ता गया तो दूसरी ओर डैम में जल भराव कम होता गया। डैम के ऊपर के कई स्टॉप डैम बन गए, जिससे पानी कम हो गया।

एशियन डेवलपमेंट बैंक देगा फंड

गागर, बांकी लिंक जलाशय इस योजना को नाम दिया है। एशियन डेवलपमेंट बैंक की मदद से ही यहां काम होगा। राज्य सरकार ने इसके सर्वेक्षण के लिए एक करोड़ की स्वीकृति दी है। बांकी बांध सत्तर के दशक का है, जबकि गागर योजना तीन साल पहले की है । बांकी डैम जहां जल संकट से जूझ रहा है, वहीं गागर में पानी इतना है कि डैम की क्षमता से अधिक पानी पांच महीने बेकार बह जाता है। इसी पानी को बांकी को दिया जाएगा। क्षेत्र के विधायक ने इसकी पहल की थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इससे होने वाले लाभ को समझा और इसके बाद इसकी स्वीकृति मिली।

एक योजना दोहरा लाभ

- गागर से 25 एमसीएम लिया जाएगा पानी।
- राजपुर विकासखंड में भी 2500 हेक्टेयर क्षेत्र में होगी सिंचाई।
- अंबिकापुर शहर में पेयजल के साथ सिंचाई योजना होगी जीवित।
- बांकी की 3500 हेक्टेयर सिंचाई योजना पानी के कारण है बंद।
- योजना पर होने वाला खर्च जल कर से होगा कवर।

आएगा व्यापक बदलाव

संभाग में अपनी तरह की यह पहली योजना होगी, जब एक बांध से दूसरे बांध को पानी दिया जाएगा। इससे दोनों जिलों को लाभ होगा। योजना काफी किफायती है। दो डैम को जोड़ने व्यापक लाभ होगा। एशियन डेवलपमेंट बैंक ने इसकी सराहना की है। तीन साल में योजना पूरी होगी।

वीपी पांडेय, ईई जल संसाधन विभाग

nwda.gov.in